Regarding protection of cows

श्री प्रतापराव पाटिल चिखलीकर (नांदेड़): महोदय, राष्ट्र माता, गौ माता को प्रणाम करते हुए मैं आपसे गौ माता के विषय मे कुछ मांगों का आग्रह करना चाहता हूँ । आज हमारे जीवन का मुख्य आधार गाय है, और उसे पूरे देश में तवज्जों नही दी जा रही है, और गायों की संख्या बहुत कम रह गई है, लोग गाय का पचगव्य तो प्राप्त करना चाहते है, लेकिन उसे पालने से दूर भागते है । किसानों को इसकी जिम्मेदारी का भार नियम, कानून बनाकर सौपना होगा, क्योंकि गाय हमेशा से कृषि का आधार रही है । इस लिए हमने गाय की पशु नहीं माता का दर्जा दिया है । ?गोमय वसते लक्ष्मी? वेदों में कहा गया है कि गाय के गौबर मे लक्ष्मी का वास होता है, और दिवाली के त्यौहार में गाय की पूजा होती है ।

महोदय, आज भगवान प्रभु श्रीराम के मन्दिर स्थापना के अवसर पर देश में दीपोत्सव मनाया जा रहा है, और इस ईश्वरीय राष्ट्रीय कार्य में गोमय गौबर घी, गोमूत्र, दूध आदि को प्राथमिकता से एकत्र किया जा रहा है । हमारे पास गाय रखने की जगह नहीं होती लेकिन कुत्ते पालने के लिए बहुत खर्च और जगह है और दूध, घी, खाद, गोबर, गौमूत्र, हमे गाय से चाहिऐ तो यह कैसे हो सकता है । गौ माता मानव जीवन का आधार है, हमें गाय के पालन हेतु सख्त नियम और कानून बनाने की आवश्यकता है, देश के हर किसान को गाय और खेत में वृक्ष रखना अनिवार्यता होनी चाहिए । जिसकी कुछ खास शर्तें हो, और गोमाता के पूर्ण विकास एवं बचाव के लिए रासायनिक खाद, उत्पादन, वितरण जैसे कार्य के लिए सरकारी सब्सिडी पूरी तरह बन्द होनी चाहिए तथा सम्पूर्ण देश में प्राकृतिक खाद्य का उपयोग हो, इसी प्रयत्न से हमारी गो माता बच सकती है, और गौ माता बचेगी तो मानव जीवन का उद्दार होगा । और किसान सम्मान योजना में प्राकृतिक दूध तथा गोबर खाद का राष्ट्रीय उत्पादन बढाने लिए गाय, वृक्ष, देसी बीज के स्वावलंबन एवं पर्याप्त संख्या गायों जैसे प्राणियों का संवर्धन अनवार्य रूप से तय करने की आवश्यकता है । मेरी आग्रह पूर्वक सरकार से यह मांग है कि ये मानदंड तत्काल रुप से लागू किए जाएं ।

धन्यवाद